B.A. 2nd Semester (Honours) Examination, 2018 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-III

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु दश प्रश्नाः सुरगिरा देवनागरीमाश्रित्य समाधेयाः। प्रत्येकं विभागात् न्यूनतया प्रश्नत्रयं स्वीकृत्य दशप्रश्नानाम् उत्तरं समाधीयताम्।

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলি থেকে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে। প্রত্যেকটি বিভাগ থেকে অন্তত তিনটি করে প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। 2×10=20

'क' विभागः

'ক' বিভাগ

(a) 'दशकुमारचरितम्'— इति नामकरणस्य कः हेतुः?
'दशकुमारचरितम्'-এই নামকরণের কারণ কী?

(b) 'श्रुत्वा तु भुवनवृत्तान्तम्'- भुवनवृत्तान्तस्य वक्ता कः? श्रोत्री च का आसीत्?
'भुवनवृत्तान्त'-র বক্তা কে? এবং শ্রোত্রী কে?

(c) एणजङ्घः केन कुत्र च प्रेरितः?
এণজঙ্ঘ কার দ্বারা কোথায় প্রেরিত হয়েছিলেন?

(d) चण्डपोतः केन किमर्थम् आनीतः?
চণ্ডপোতকে কে কোন উদ্দেশ্যে এনেছিলেন?

(e) वीरशेखरः मालवराज्यं कथम् आगतवान्?
বীরশেখর মালবরাজ্যে কেন এসেছিলেন?

'ख' विभागः

'খ' বিভাগ

(a) किं प्रकारकं काव्यं कादम्बरी इति? तत्र नायिका-नायकौ कौ स्तः?
'কাদম্বরী' কী প্রকার কাব্য? এর নায়ক-নায়িকা কে?

(b) कादम्बरीकाव्यस्य उत्सः कः भवति?
কাদম্বরী কাব্যের উৎস কী?

(c) शुकनासः कथं चन्द्रापीडम् उपदिष्टवान्?
শুকনাস কেন চন্দ্রাপীড়কে উপদেশ দিয়েছিলেন?

(d) 'दर्पदाहज्वरोष्मा'— अत्र 'दाहज्वरः' इति किं बोध्यते?
दर्पदाहज्वरोष्मा -এখানে 'दाहज्वरः' বলতে কী বোঝায়?

(e) 'महतीयं खल्वनर्थपरम्परा'— उल्लिखिता 'अनर्थपरम्परा' का भवति?
'महतीयं खल्वनर्थपरम्परा' -উল্লিখিত 'अनर्थपरम्परा' কী?

'ग' विभागः
'গ' বিভাগ

(a) उत्कलिकाप्रायगद्यं किम्?
উৎকলিকাপ্রায় গদ্য কী?

(b) गद्यसाहित्यस्य त्रयी— इति के कवयः सन्ति?
গদ্যসাহিত্যে ত্রয়ী বলতে কোন কবিদের বোঝায়?

(c) दशकुमारचरितस्य कियन्तः विभागाः सन्ति?
দশকুমারচরিতের কয়টি ভাগ আছে?

(d) कस्यां भाषायां बृहत्कथा रचिता?
কী ভাষায় 'বৃহৎকথা' রচিত হয়েছিল?

(e) ''पुरुषपरीक्षा'' इति ग्रन्थस्य रचयिता कः भवति?
'পুরুষপরীক্ষা' এই গ্রন্থের রচিয়তা কে?

2. अधःस्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं चतुर्णां प्रश्नानां विधेयं समाधानम्। तेषु प्रश्नेषु यत्किञ्चन द्वितयम् सुरगिरा समाधीयताम्।
নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে *চারটি* প্রশ্নের উত্তর লিখতে হবে। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো। 5×4=20

(a) बङ्गभाषया अनुवादः क्रियताम्।
বাংলা ভাষায় অনুবাদ করো ঃ

गुरुवचनममलामपि सलिलामिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शुलमभव्यस्य। इतरस्थ तु करिण इव शङ्खाभरणमाननशोभासमूदयमधिकतरमुपजनयति।

अथवा,

गुरूपदेशश्च नाम पुरुषाणामखिलमलप्रक्षालनक्षममजलस्नानमनुपजातपलितादिवैरूप्यमजरं बृद्धत्वमनारोपितमेदोदोष गुरुकरणमसुवर्णविरचनमग्राम्यं कर्णाभरणमतीतज्योतिरालोको नोद्वेगकरः प्रजागरः।

(b) बङ्गभाषया अनुवादः क्रियताम्।
বাংলা ভাষায় অনুবাদ করো ঃ

तुमुले चास्मिन् समयेऽनियन्त्रित प्रवेशाः 'किं किम्' इति सहसोपसृत्य विविशुरन्तर्वेशिकपुरुषाः। ददृशुश्च तदवस्थं राजकुमारम्। तदनुभावनिरुद्धनिग्रहेच्छास्तु सद्य एव ते तमर्थं चण्डवर्मणे निवेदयाञ्चक्रुः।

अथवा,

नित्ये चासावहन्यन्यस्मिन्नुन्मिषत्येवोषोरागे राजपुत्रो राजाङ्गनं रक्षिभिः। उपतस्थे च क्षरितगण्डश्चण्डपोतः। क्षणे च तस्मिन् मुमुचे तदङ्घ्रियुगलं रजतशृङ्खलया। स चैनं चन्द्रलेखाच्छविः काचिदप्सरोरूपिणी भूत्वा प्रदक्षिणीकृत्य प्राञ्जलिर्व्यजिज्ञपत्- देव, दीयतामनुग्रहार्द्रं चित्तम्।

(c) सप्रसङ्गं सरलसंस्कृतभाषया व्याख्यायताम्।
सप्रसङ्গ সরল সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা লেখো ঃ
यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः।

अथवा,

''किंवा तेषां साम्प्रतं येषामतिनृशंसप्रायोपदेशनिर्घृणं कौटिल्यशास्त्रं प्रमाणमभिधारक्रियाक्लुरैकप्रकृतयः पुरोधसो गुरवः''।

(d) अधस्तात् कस्याचिदेकस्य संक्षिप्ता टिप्पणी विधेया :
নীচের যে কোনো *একটির* সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো ঃ
हर्षचरितम्, सुबन्धु, सिंहासनद्वात्रिंशिका

(e) 'अतिपरित्रासविह्वला मुक्तकण्ठमाचक्रन्द राजकन्या'—
राजकन्या का आसीत्? कथं सा आचक्रन्द?
রাজকন্যাটি কে? কেন তিনি ক্রন্দন করেছিলেন?

(f) 'अपरिणामोपशमो दारुणलक्ष्मीमदः'—
केन प्रसङ्गेन इदमुक्तम्?
কোন প্রসঙ্গে এই কথা বলা হয়েছে?

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथेच्छं *प्रश्नद्वयं* लिख्यताम्।
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলোর মধ্যে যে কোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ 10×2=20

(a) 'राजवाहनचरितम्' इति आख्याने राजवाहनस्य चरितं वर्ण्यताम्।
'রাজবাহনচরিতম্' এই আখ্যানে রাজবাহনের চরিত্র বর্ণনা করো।

(b) चन्द्रापीडाय शुकनासस्य उपदेशः वर्ण्यताम्।
চন্দ্রাপীড়ের প্রতি শুকনাসের উপদেশ বর্ণনা করো।

(c) 'वाणोच्छिष्टं जगत् सर्वम्'—व्याख्यायताम्।
'বাণোচ্ছিষ্টং জগত্ সর্বম্' —ব্যাখ্যা করো।

(d) 'पञ्चतन्त्रं' 'वेतालपञ्चविंशतिः'—द्वयोः ग्रन्थयोः विषय आलोच्यताम्।
'পঞ্চতন্ত্রং' 'বেতালপঞ্চবিংশতিঃ' —গ্রন্থদুটির বিষয়ে আলোচনা করো।

———